राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

ई–मेल–**pr.rajbhavan@gmail.com**
prrajbhavanbihar@gmail.com
मोबाईल–9431283596

प्रेस–विज्ञप्ति

राज्यपाल की अध्यक्षता में मुंगेर विश्वविद्यालय की समीक्षा–बैठक आयोजित हुई

पटना, 07 दिसम्बर 2018

राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की संयुक्त बैठक आयोजित करने के साथ–साथ, अब एक–एक विश्वविद्यालय की अलग–अलग गहन और व्यापक समीक्षा का भी निदेश राज्यपाल–सह–कुलाधिपति श्री लाल जी टंडन ने दिया है।

राज्यपाल–सह–कुलाधिपति के उपर्युक्त निदेशालोक में आज राजभवन में नवस्थापित मुंगेर विश्वविद्यालय की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक को संबोधित करते हुए राज्यपाल श्री टंडन ने कहा कि नवस्थापित विश्वविद्यालयों को तेजी से अपनी आधारभूत संरचना विकसित करते हुए अपने यहाँ गेस्ट फेकल्टी आदि की नियुक्ति–प्रक्रिया को शीघ्र पूरा कर लेना चाहिए, ताकि छात्रों की पढ़ाई बाधित नहीं हो।

राज्यपाल ने कहा कि सेवानिवृत्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों के सेवांत लाभ के भुगतान समय पर नहीं होने की शिकायतें प्रायः मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि सभी विश्वविद्यालयों को प्रत्येक वित्तीय वर्ष में सेवानिवृत्त होनेवाले कर्मियों का सॉफ्टवेयर तैयार कर लेना चाहिए ताकि सेवानिवृत्ति के छः महीने पूर्व से ही आवश्यक प्रक्रियाएँ प्रारंभ कर सेवानिवृत्ति के दिन पेंशन, ग्रेच्यूटी एवं जीवन–बीमा आदि से संबंधित राशियाँ संबंधित शिक्षक/कर्मी को उपलब्ध करायी जा सकें। राज्यपाल ने कहा कि यह दुःखद है कि वर्षों तक सेवा देकर रिटायर होनेवाले शिक्षकों/कर्मचारियों को विश्वविद्यालय–कार्यालयों पर बार–बार दौड़ना पड़ता है। राज्यपाल ने कहा कि यह स्थिति बर्दाश्त नहीं की सकती। श्री टंडन ने कहा कि जब राज्य सरकार नियमित वेतन–भुगतान एवं सेवान्त लाभ के मामलों में भुगतान के लिए समय पर आवश्यक धन–राशि उपलब्ध करा दे रही तो ऐसी स्थिति में भुगतान में शिथिलता बिल्कुल ही बर्दाश्त नहीं की जायेगी।

राज्यपाल ने मुंगेर विश्वविद्यालय की समीक्षा के दौरान 'UMIS- (University Management Information System)' की व्यवस्था लागू करने में निविदा आमंत्रित करने में हुए विलम्ब पर अपनी नाराजगी व्यक्त की एवं इसे हर हालत में जनवरी पूर्वार्द्ध के पहले निष्पादित कर लेने का निदेश दिया, ताकि आगामी सत्र से यह व्यवस्था सुचारू रूप से काम करने लगे। राज्यपाल ने कहा कि ट्रेजरी एवं बैंक के जरिये नियमित डिजिटल वेतन–भुगतान की प्रक्रिया हर हालत में सुनिश्चित करायी जानी चाहिए।

श्री टंडन ने कहा कि कुलाधिपति कार्यालय से दिये जानेवाले निदेशों के अनुपालन में शिथिलता कदापि बर्दाश्त नहीं की जायेगी। राज्यपाल ने मुंगेर सहित अन्य विश्वविद्यालयों मे भी 'शिकायत–निवारण कोषांग' के सुचारू संचालन तथा इसकी गतिविधियों के बारे में राजभवन को नियमित रूप से प्रतिवेदित करते रहने की हिदायत थी।

आगे पृष्ठ....2 पर

बैठक में राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों में पुस्तकालय एवं प्रयोगशालाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु विगत बैठक में ही स्पष्ट निदेश दिये जाने के बावजूद प्रगति संतोषजनक नहीं है। राज्यपाल ने चिंता व्यक्त की कि जब राज्य सरकार इसके लिए पर्याप्त धन–राशि उपलब्ध कराने को तैयार है तो इसमें आखिर विश्वविद्यालयों को क्या कठिनाई है?

मुंगेर विश्वविद्यालय की समीक्षा के दौरान यह बात सामने आई कि विभिन्न कॉलेजों में शिक्षकेत्तर कर्मियों की अत्यन्त कमी है। खासकर प्रयोगशाला–सहायकों, पुस्तकालयाध्यक्षों आदि की कमी भी शिक्षण–व्यवस्था को गुणवत्तापूर्ण बनाने में आड़े आ रही है। राज्यपाल ने अपने प्रधान सचिव को इसके लिए ठोस एवं सार्थक विचार–विमर्श कर आवश्यक प्रस्ताव प्रस्तुत करने का निदेश दिया।

राज्यपाल ने कहा कि 'नैक प्रत्ययन' (NAAC Accreditation) के लिए आधारभूत संरचना विकसित करने हेतु राज्य सरकार पर्याप्त मदद को तैयार है, वैसी स्थिति में इसके लिए शिक्षण–संस्थानों द्वारा प्रयासों में शिथिलता क्षम्य नही होगी। राज्यपाल ने मुंगेर विश्वविद्यालय के कॉलेजों में भी 'नैक प्रत्ययन' के प्रति अपेक्षित सजगता में कमी पर चिंता व्यक्त की और कुलपति को आवश्यक कार्रवाई का निदेश दिया।

राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों में कुलपति, प्रतिकुलपति, कुलसचिव सहित विश्वविद्यालय–प्रशासन से जुड़े अन्य पदाधिकारियों में कहीं–कहीं बेहतर तालमेल का अभाव देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारियों को पारस्परिक सहयोग एवं समन्वयपूर्वक कार्य करते हुए विश्वविद्यालयों में सुधार–प्रयासों को गति देनी होगी। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सुधार–प्रयासों में बाधक तत्त्वों की पहचान कर उनके विरूद्ध कठोर कार्रवाई की जायेगी।

आज की समीक्षा बैठक में यह निर्णय लिया गया कि जिन कॉलेजों की रोकड़बही अद्यतन नहीं होगी, उनके विरूद्ध वित्तीय अनियमितता का आपराधिक मामला दर्ज कराया जायेगा।

बैठक में बायोमैट्रिक उपस्थिति व्यवस्था को भी सख्ती से लागू करने के निदेश दिये गये। बैठक में कहा गया कि 'बायोमैट्रिक उपस्थिति' का सूक्ष्म विश्लेषण करने के बाद ही संबंधित एजेन्सी को भुगतान की कार्रवाई की जाये। बैठक में मुंगेर विश्वविद्यालय के अधिकारियों को निदेशित किया गया कि 'हर परिसर–हरा परिसर' कार्यक्रम के तहत अधिकाधिक संख्या में वृक्ष लगाये जायें तथा विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय परिसरों को स्वच्छ एवं सौन्दर्यीकृत बनाया जाये।

बैठक में मुंगेर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो॰ रंजीत कुमार वर्मा, प्रतिकुलपति प्रो॰ कुसुम कुमारी, राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री विवेक कुमार सिंह सहित राज्यपाल सचिवालय एवं मुंगेर विश्वविद्यालय–प्रशासन के सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

.....